# समाज के हर वर्ग को सुख शान्ति और संयम सिखा रहा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान

## ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में सन्त संगोष्ठी का आयोजन

## 40 से अधिक सन्त-महन्त हुए शरीक

संत-महात्माओं के साथ समूह चित्र में राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी व अन्य ब्र.कु. बहनें।

**हरिद्वार-उत्तराखंड।** ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आयोजित संत संगाष्ठी में महामंडलेश्वर स्वामी संतोषानन्द जी महाराज,परमाध्यक्ष,अवधूत मण्डल आश्रम,हरिद्वार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय समाज में मूल्यों की खुशबू तो फैला ही रहा है साथ-साथ ब्रह्माकुमारी बहनें हरिद्वार के सभी प्रमुख सन्तों को रक्षासूत्र बांधकर सन्त समाज की दुआएं तथा रक्षा का वचन भी प्राप्त कर रही हैं। महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानन्द जी महाराज,परमाध्यक्ष,शंकर आश्रम, हरिद्वार ने कहा कि यह विश्व विद्यालय राजयोग के माध्यम से समाज के हर वर्ग को सुख, शान्ति और संयम सिखा रहा है जिसकी आज इस समाज को सबसे ज़्यादा आवश्यकता है। इसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। महन्त डॉ. हरिहरा नन्द जी,अध्यक्ष,श्री गरीबदासीय आश्रम,हरिद्वार ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सन्त संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पहले मैं अपने पूज्य गुरुदेव डॉ. श्याम सुन्दर दास जी महाराज के साथ आश्रम पर आता था। महन्त रविदेव शास्त्री जी,सहअध्यक्ष,श्री गरीबदासीय आश्रम,हरिद्वार ने कहा कि वैसे तो संतों की कोई बहन नहीं होती परन्तु ब्रह्माकुमारी बहनों का स्नेह पाकर आत्मा बहुत प्रसन्न होती है। सन्तों की शुभ कामना है कि ब्रह्माकुमारी बहनें ऐसे ही समाज सेवा करती रहें तथा समाज को भी पावन बनाएं, विश्व को भी पावन बनाएं। सन्त संगोष्ठी में राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी,अध्यक्षा,धार्मिक प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ ने संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी का संदेश पत्र पढ़कर सुनाया और रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए मधुबन से भेजी गई राखी का पवित्र धागा सभी सन्तों को बांधा। ब्र.कु. मन्जू बहन, ब्र.कु. मीना बहन एवं ब्र.कु. सुशील भाई ने सभी का मुख मीठा कराया। संत संगोष्ठी में महन्त दुर्गादास, महन्त गोविन्द दास, महन्त सूरजदास, महन्त गुरमीत सिंह, महन्त ज्ञानानन्द, महन्त गणेशानंद, महन्त दिनेश दास, महन्त अम्रतानंद, महन्त विज्ञानानन्द पुरी व महन्त कमलेशानन्द जी सहित अन्य संत-महंत व राजयोगी ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

## देवी माँ का हर स्वरूप... नवरात्रि पर सेवाकेन्द्र में विशेष कार्यक्रम

# नारी के हर कर्त्तव्य को दर्शाता है

**छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)।** नौ देवियों का हर स्वरूप नारी के बाल्यकाल से लेकर वृद्धावस्था तक उसके कर्त्तव्यों को दर्शाता है। हर स्वरूप में वह कितना भी कष्ट सहन करके भी सबको आशीर्वाद देती है, सबको वरदान देती है। इसलिए यह नवरात्रि का त्योहार स्मृति दिलाता है कि कभी भी, कोई भी स्वरूप में नारी को दुःखी नहीं करना चाहिए, उसको कष्ट नहीं देना चाहिए क्योंकि उसको कष्ट दिया तो वह शक्ति है शिव की तो शिव परमात्मा को भी कष्ट होता है। शिव शक्ति के रूप में उसका सम्मान करें तो शिव परमात्मा भी सदा प्रसन्न रहेंगे। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में नवरात्रि के पावन पर्व पर संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू से आईं बाल ब्रह्मचारिणी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं मैनेजमेंट ट्रेनर राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने व्यक्त किये। इस अवसर पर दीदी के साथ अमेरिका से आईं ब्र.कु. संध्या बहन ने बृहस्पति की दशा से लेकर राहु की दशा तक का आध्यात्मिक रहस्य समझाया। कार्यक्रम में भोपाल ज़ोन अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी, होशंगाबाद से ब्र.कु. तुलसा, ब्र.कु. सुनीता, सीधी से ब्र.कु. रेखा, अर्चना बहन, पचमढ़ी से ब्र.कु. संध्या, रूपा बहन, सतना से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बालों से ट्रक,शताब्दी ट्रेन का इंजन खींचने वाली ब्र.कु. रानी बहन आदि शरीक हुए। इस मौके पर छतरपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन ने कहा कि यह हम सभी छतरपुर वासियों का परम सौभाग्य है कि बाल ब्रह्मचारिणी तपस्विनी चैतन्य देवियां स्वयं चलकर हमारे पास वरदानों से झोली भरने पहुंची हैं।

# ईश्वरीय सेवार्थ किया अपना जीवन समर्पित

**इंदौर-म.प्र.।** ब्रह्माकुमारीज़ के ज़ोनल हेडक्वार्टर ओम शांति भवन की ओर से पिपलिहाना रोड स्थित कृष्णोदय नगर के पामट्री रिसॉर्ट में आयोजित 'दिव्य अलौकिक प्रभु समर्पण समारोह में अध्यात्म की राह पर चलते हुए म.प्र. सहित महाराष्ट्र, राजस्थान और उ.प्र. की 12 कुमारियों ने ब्रह्माकुमारी बनने का संकल्प लिया। वहीं माता-पिता ने अपनी कन्याओं का हाथ ज़ोनल डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. आरती दीदी के हाथों में सौंपते हुए कहा कि आज से हमारी लाडली आपकी अमानत है। हमें गर्व है कि हमारी बेटी ने विश्व कल्याण के लिए यह साधना का मार्ग चुना। न जाने हमारे कितने जन्मों के पुण्य कर्म होंगे जो इस जन्म में शक्ति स्वरूपा बेटी मिली। ज़ोनल डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. आरती दीदी ने कहा कि जब हम तन के साथ मन-बुद्धि को परमात्मा पर अर्पण कर देते हैं, तो परमात्मा हमारा हर पल, हर क्षण ख्याल रखते हैं, मदद करते हैं। जिसने स्वयं सृष्टि के रचयिता, त्रिमूर्ति, तीनों लोकों के स्वामी को अपना बना लिया, तो उनसे भाग्यवान कोई हो नहीं सकता। म.प्र. उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति बी.डी. राठी ने कहा कि ये बेटियां हज़ारों परिवारों का उद्धार करने के निमित्त बनेंगी। इनके प्रेरणादायी जीवन से लोगों को सद्मार्ग पर चलने और श्रेष्ठ कर्म करने का ज्ञान मिलेगा। कार्यक्रम में समर्पित होने वाली कुमारियों के परिवार जन सहित हज़ार से अधिक लोग मौजूद रहे। गायिका डॉ. ब्र.कु. दामिनी बहन,अहमदाबाद ने आध्यात्मिक गीतों की प्रस्तुति दी।

## - सात संकल्प के साथ पूरी हुई समर्पण की प्रक्रिया, अब समर्पित रूप से देंगी सेवायें

## - दुल्हन की तरह सजधजकर पहुंचीं, शिवलिंग को पहनाई वरमाला

## - माता-पिता हुए भावुक, अब समाजसेवा ही जीवन का लक्ष्य

# एकाग्रता, स्थिरता, ध्यान, साधना से युक्त चैतन्य देवियों की दृढ़ता वंदनीय

**अम्बिकापुर-छ.ग.।** 'शिव शक्ति का आध्यात्मिक रहस्य' दर्शाते हुए शारदीय नवरात्रि के महाष्टमी के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शहर में आयोजित भव्य चैतन्य देवियों की झाँकी का नवा बिहान समाजसेवी ग्रुप के अनिल मिश्रा, मंगल पाण्डे, अंचल ओझा, संतोष दास, बहन वन्दना दत्ता, अजय तिवारी, कार्यपालन अभियन्ता जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर अरुण मिश्रा, अशोक जैन, अध्यक्ष जैन समाज अम्बिकापुर, समाजसेवी शिल्पा पाण्डे, डॉ. पुष्पा सोनी, होण्डा शोरूम के मालिक प्रदीप साहू, तहसीलदार उमेश्वर बाज एवं सरगुजा संभाग के ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

इस शुभ अवसर पर समाजसेवी वन्दना बहन ने मनोहारी भव्य जीवन्त देवियों की एकाग्रता, स्थिरता, ध्यान, साधना से युक्त बैठी बहनों की सराहना करते हुए दर्शकों से कहा कि आप सभी भी अपने जीवन के कुछ कीमती समय को निकालकर यहाँ सिखाये जा रहे राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा प्राप्त करेंगे तो आप सभी का जीवन भी तनावमुक्त, खुशनुमा बन जायेगा। समाजसेवी बहन शिल्पा पाण्डे ने कहा कि ये चैतन्य देवियां जब गुफाओं एवं पहाड़ों के अन्दर से निकलती हैं, तो बहुत ही अद्भुत और अनोखा दृश्य होता है। जिसे साक्षात् रूप में देखकर मन बहुत ही गदगद होता है। तहसीलदार उमेश्वर बाज ने महाष्टमी की लोगों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह बहनें अपने दृढ़ निश्चय का बहुत ही सुन्दर प्रदर्शन कर रही हैं। तत्पश्चात् सभी अतिथिगणों ने भी नवरात्रि के पावन पर्व की बधाई दी और चैतन्य देवियों की भव्य झाँकी सजाने के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों की खूब सराहना की।

नवरात्रि पर अम्बिकापुर शहर में चैतन्य देवियों की झाँकी का भव्य आयोजन। शुभारंभ में कई गणमान्य हस्तियां व शहर के लोग रहे शामिल।

## बड़ी संख्या में शहर के लोगों ने किये चैतन्य देवियों के दर्शन

## वंदना दत्ता ने राजयोग मेडिटेशन सीखने हेतु सभी को किया प्रेरित

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Nov, 2023
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org